Citizens Foundation
Making People Self Reliant

गोलकीपर्स समाचार पत्रिका

संस्करण-33 जुलाई - 2024

इस संस्करण में

01
महिलाओं में उद्यम विकास व पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए बैठक आयोजित

02
फ्री मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संदेश

आंध्र प्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों में सिटिज़न्स फाउंडेशन बेहतरीन कार्य कर रहा है। ये केंद्र छोटे बच्चों की देखभाल और विकास के लिए अहम भूमिका निभाते हैं। फील्ड वर्कर्स इन आंगनवाड़ी केंद्रों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सिटिज़न्स फाउंडेशन के फील्ड वर्कर्स अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों से परे जाकर समुदाय में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। संस्था की कड़ी मेहनत और समर्पण से आंगनवाड़ी केंद्रों पर दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

असीया अनवर
प्रोजेक्ट एग्जीक्यूटिव, ओएनजीसी फाउंडेशन

सचिव की कलम से

नमस्कार और हमारे जुलाई न्यूज़लेटर में आपका हार्दिक स्वागत है! हमें खुशी है कि आप हमारे साथ हैं और हमारे समुदाय के विकास और प्रगति की कहानियों को साझा करने के इस सफर में शामिल हो रहे हैं। इस अंक में हम आपको सिटिज़न्स फाउंडेशन के द्वारा चलाये गये विभिन्न पहलों और परियोजनाओं की झलकियां प्रस्तुत करेंगे। इनमें आंगनवाड़ी केंद्रों में उत्कृष्ट कार्य, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे उद्यम विकास कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर और पर्यावरण संरक्षण अभियानों जैसी कई प्रेरणादायक कहानियां शामिल हैं। हमारा उद्देश्य आपके साथ इन सफलताओं और चुनौतियों को साझा करना है, ताकि हम सभी को प्रेरित कर सकें और अपने समाज को और भी बेहतर बना सकें। आपकी सक्रिय भागीदारी और समर्थन हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपके सुझाव और प्रतिक्रियाओं का हमें हमेशा इंतजार रहेगा। इस न्यूज़लेटर को पढ़ने के बाद कृपया अपने विचार हमारे साथ साझा करें।

गणेश रेड्डी
सचिव सह सीईओ, सिटिज़न्स फाउंडेशन

नई पहलों के लिए फाउंडेशन ने कंपनियों के साथ की साझेदारी

एलटीआई माइंडट्री: एलटीआई माइंडट्री लिमिटेड असम और झारखंड में अपने सीएसआर इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम (आईवीडीपी) के लिए सिटिज़न्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण और पारिस्थितिक संरक्षण, सशक्तिकरण-आजीविका, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य और पोषण के विषयों पर काम करना है।

नीपको (एनईईपीसीओ) : मेजर जनरल राकेश कुमार झा एवीएसएम, निदेशक कार्मिक, एनईईपीसीओ और श्री एस अहमद, सीएसआर हेड ने मेघालय में स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए एनईईपीसीओ की सीएसआर पहल के तहत सिटिज़न्स फाउंडेशन को एक एंबुलेंस भेंट की। सिटिज़न्स फाउंडेशन के सहायक कार्यक्रम प्रबंधक कॉसमॉस ने एंबुलेंस की चाबी प्राप्त की। यह स्थानीय लोगों के लिए बेहतर चिकित्सा सहायता की शुरुआत का प्रतीक है।

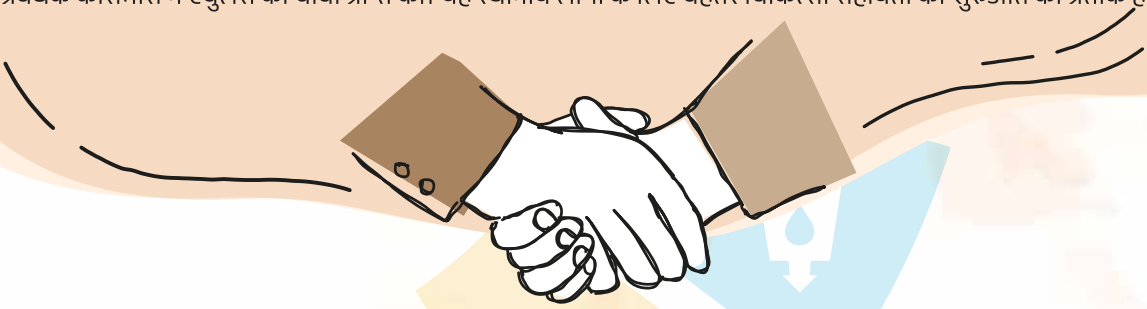

महिलाओं में उद्यम विकास व पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए बैठक आयोजित

सिटिज़न्स फाउंडेशन ने एसबीआई फाउंडेशन 'ग्राम सेवा' के तहत भरौली गांव में महिला संचालित एसएचजी और पशु पालकों के साथ एक बैठक आयोजित की। इस बैठक का प्रमुख लक्ष्य सामूहिक प्रयासों के जरिए स्वयं सहायता समूह की प्राथमिकताओं के अनुरूप उद्यम विकास को बढ़ावा देना था, जिसमें उत्पादन, विपणन और लेखांकन शामिल हैं। इसके अलावा, इस बैठक का मकसद समूह की सदस्यों को उद्यम कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करना और प्रभावी इन्वेटमेंट रोटेशन को सुनिश्चित करना था। वहीं दूसरी तरफ, पशुपालकों के साथ हुई बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूह की सदस्यों के बीच बकरी पालन को बढ़ावा देना, विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना, बकरियों के रोटेशन से लाभार्थियों की संख्या बढ़ाना और नियमित टीकाकरण और कृमि से बचाव सुनिश्चित करना था, जिससे पशुओं की सेहत अच्छी रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर चलाया गया जागरूकता अभियान

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सिटिज़न्स फाउंडेशन, एचआरडीपी तमुलपुर ने एचडीएफसी बैंक परिवर्तन और स्थानीय फुटबॉल क्लब के सहयोग से तंबाकू सेवन के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए पब कौरबहा हाई स्कूल से गोरेस्वर विकास खंड कार्यालय, तमुलपुर जिला, असम तक एक पीस रैली का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों, शिक्षकों, छात्रों और स्थानीय लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

सिकल सेल एनीमिया स्वास्थ्य शिविर

झारखंड सरकार के लिए सिटिज़न्स फाउंडेशन की ओर से प्रबंधित जनजातीय कल्याण अस्पताल (कल्याण अस्पताल) साहिबगंज और चाईबासा ने सिकल सेल एनीमिया जागरूकता और स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया। साहिबगंज के पथना और चाईबासा के बाराचिरु में आयोजित शिविर में कुल 238 मरीजों की जांच की गयी। साथ ही शिविर में उपस्थित डॉक्टरों ने उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

सिटिज़न्स फाउंडेशन ने एसबीआई फाउंडेशन ग्राम सेवा के तहत सोनबरसा, बिहार में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस मौके पर प्रेरणा सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई कौशल की ट्रेनिंग लेने वाली प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र बांटे गये। इसके साथ ही स्वच्छ और हरित वातावरण के महत्व को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण अभियान, नाटकों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर किया।

फ्री मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सिटिज़न्स फाउंडेशन और राइट्स लिमिटेड के संयुक्त प्रयासों से झारखंड के बहरागोड़ा ब्लॉक के खंडामौदा गांव में फ्री मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। यह फ्री मेगा हेल्थ कैंप का तीसरा चरण था। इस शिविर में 13 डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दी और कुल 526 मरीजों की जांच की। इस दौरान मरीजों को स्वास्थ संबंधी परामर्श, मुफ्त दवाएं, लैब टेस्ट और आंखों की जांच की गयी। इसके अलावा 36 मोतियाबिंद रोगियों को आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त सर्जरी के लिए चिह्नित किया गया।

सिलाई में व्यावसायिक कौशल: महिला सशक्तिकरण का जरिया

अवलोकन :

पाक्योंग के थेकाबोंग पार्का जीपीयू के लाफथांग गांव में स्थापित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र महिलाओं के बीच व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा दे रहा है। यह केंद्र 10 प्रोजेक्ट गांवों में रहने वाली उत्पादक समूह की सदस्यों में से चिह्नित की गयी 30 से 40 महिलाओं को लाभान्वित करता है। यहां अलग-अलग बैच में 8 सिलाई मशीनों की मदद से महिलाओं को सिलाई की ट्रेनिंग दी जाती है। सभी 10 प्रोजेक्ट गांवों की महिलाएं अपने जीवनयापन को बेहतर बनाने के लिए इस कौशल को सीखने के लिए हिस्सा ले सकती हैं। दीपा शर्मा लाफथांग सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की सदस्य हैं और सबसे कर्मठ प्रशिक्षु हैं, जिन्होंने एक भी दिन का प्रशिक्षण नहीं छोड़ा है और वह ऑर्डर पूरा करने में पूरा योगदान देती हैं।

परिणाम :

37 वर्षीया गृहिणी दीपा शर्मा हर माह मिलने वाले महज 4000 रुपये की मासिक आय से अपने पति लीला धर शर्मा (41) और अपने बच्चों अद्रिशना (12) और अश्विन (8) की भरण-पोषण और अपना घर चलाती हैं। अपनी आय को बढ़ाने के लिए वह अदरक, इलायची और अन्य फसल को उगाती हैं। हालांकि, एचआरडीपी सिक्किम सिटिज़न्स फाउंडेशन और एचडीएफसी परिवर्तन द्वारा स्थापित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ने के बाद दीपा ने बड़े ही उत्साह के साथ सिलाई का हुनर सीखा। इसके बाद सरकारी और स्थानीय स्तर पर स्कूल यूनिफॉर्म, सैनिटरी पैड और खादा बैग के ऑर्डर मिलने से दीपा की आय में बढ़ोतरी हुई है। इसने उनकी आर्थिक स्थिति में व्यापक बदलाव लाने में मदद की है।

प्रभाव :

यह सिलाई प्रशिक्षण केंद्र महिलाओं को अतिरिक्त व्यावसायिक कौशल प्रदान करता है, जो उन्हें अपनी प्राथमिक जीवनयापन के साथ-साथ अपने जीवन और सपनों को साकार करने में मददगार साबित होगा। दीपा उन महिलाओं के लिए एक मिसाल हैं, जिन्होंने वित्तीय स्वतंत्रता के जरिए सुख की तलाश है।

GOALKEEPERS, MONTHLY NEWSLETTER
(For Internal Circulation Only)
CITIZENS FOUNDATION
Content: Knowledge Management Team
Editor: Sojol Chakraborty

Follow us @